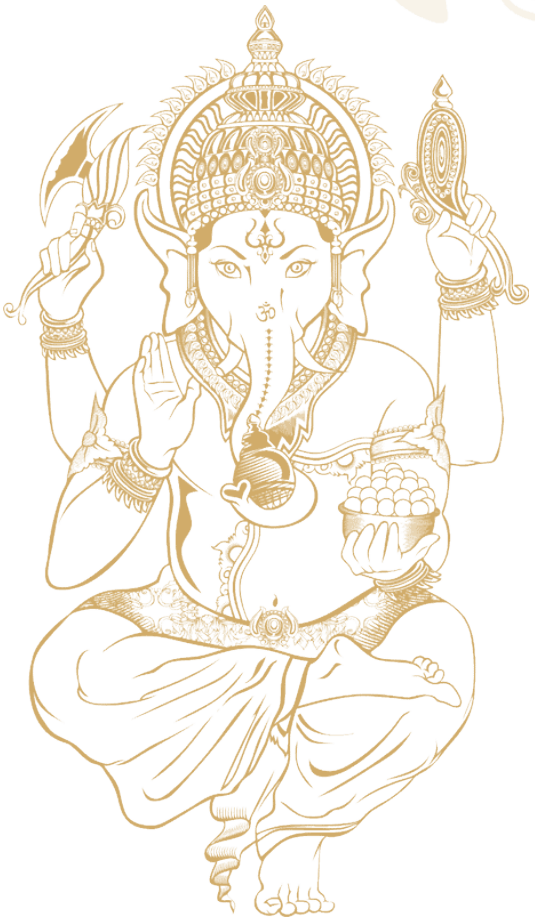

Himmat kumar

07 Nov 2001

06:01 AM

Sahara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121160108

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/11/2001**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**06:01:00 घंटे**
इष्ट	58:11:58 घटी
स्थान	**Sahara**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:13:00 उत्तर
रेखांश	74:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:27:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:24 घंटे
साम्पातिक काल	08:32:57 घंटे
सूर्योदय	06:44:12 घंटे
सूर्यास्त	17:49:24 घंटे
दिनमान	11:05:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:47:01 तुला
लग्न के अंश	10:23:53 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:23:53	318:13:23	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			तुला	20:47:01	01:00:12	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			कर्क	01:29:30	13:46:35	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल			मक	13:15:12	00:42:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	उच्च राशि
बुध			तुला	04:54:05	01:30:12	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
गुरु	व		मिथु	21:46:56	00:00:53	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	04:11:44	01:15:04	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि	व		वृष	19:38:25	00:03:58	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु			मिथु	04:03:21	00:01:34	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु			धनु	04:03:21	00:01:34	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	उच्च राशि
हर्ष			मक	27:03:11	00:00:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:13:36	00:00:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	20:06:16	00:02:04	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	11:58:55	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:40

लग्न-चलित

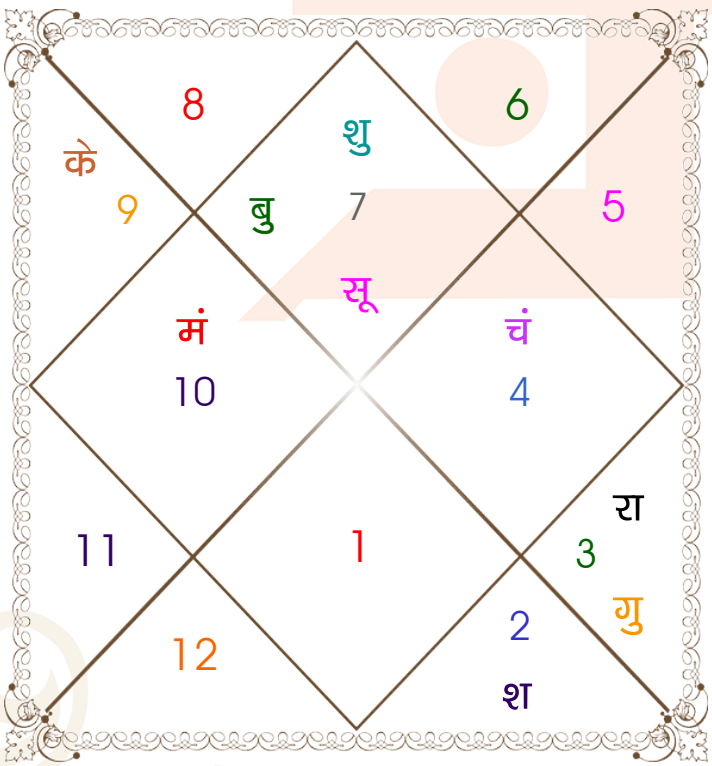

चन्द्र कुंडली

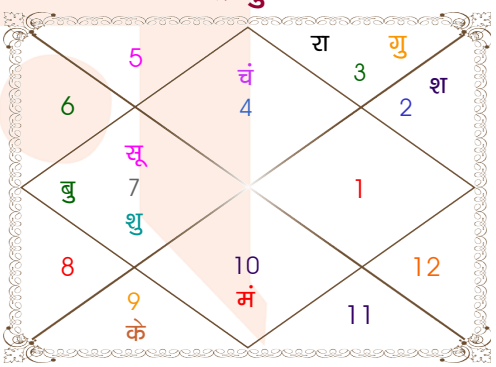

नवमांश कुंडली

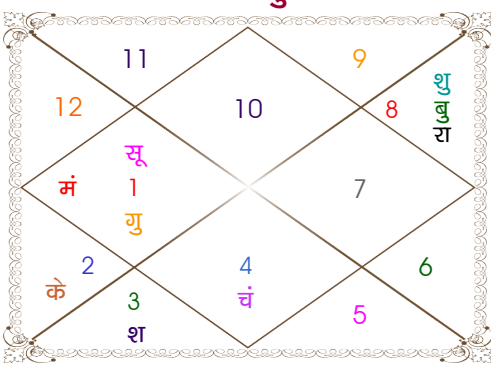

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 2 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/11/2001		23/01/2004		23/01/2023		23/01/2040		23/01/2047	
23/01/2004		23/01/2023		23/01/2040		23/01/2047		23/01/2067	
	00/00/0000	शनि	26/01/2007	बुध	20/06/2025	केतु	20/06/2040	शुक्र	24/05/2050
	00/00/0000	बुध	05/10/2009	केतु	18/06/2026	शुक्र	20/08/2041	सूर्य	24/05/2051
	00/00/0000	केतु	14/11/2010	शुक्र	17/04/2029	सूर्य	26/12/2041	चंद्र	22/01/2053
	00/00/0000	शुक्र	13/01/2014	सूर्य	22/02/2030	चंद्र	27/07/2042	मंगल	24/03/2054
	00/00/0000	सूर्य	26/12/2014	चंद्र	24/07/2031	मंगल	23/12/2042	राहु	24/03/2057
	00/00/0000	चंद्र	27/07/2016	मंगल	21/07/2032	राहु	11/01/2044	गुरु	23/11/2059
	00/00/0000	मंगल	04/09/2017	राहु	07/02/2035	गुरु	17/12/2044	शनि	23/01/2063
	07/11/2001	राहु	11/07/2020	गुरु	15/05/2037	शनि	26/01/2046	बुध	23/11/2065
राहु	23/01/2004	गुरु	23/01/2023	शनि	23/01/2040	बुध	23/01/2047	केतु	23/01/2067

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/01/2067		22/01/2073		23/01/2083		22/01/2090		24/01/2108	
22/01/2073		23/01/2083		22/01/2090		24/01/2108		08/11/2121	
सूर्य	12/05/2067	चंद्र	23/11/2073	मंगल	21/06/2083	राहु	05/10/2092	गुरु	13/03/2110
चंद्र	11/11/2067	मंगल	24/06/2074	राहु	08/07/2084	गुरु	28/02/2095	शनि	23/09/2112
मंगल	18/03/2068	राहु	24/12/2075	गुरु	14/06/2085	शनि	04/01/2098	बुध	30/12/2114
राहु	10/02/2069	गुरु	24/04/2077	शनि	24/07/2086	बुध	25/07/2100	केतु	06/12/2115
गुरु	29/11/2069	शनि	23/11/2078	बुध	21/07/2087	केतु	12/08/2101	शुक्र	06/08/2118
शनि	11/11/2070	बुध	23/04/2080	केतु	17/12/2087	शुक्र	12/08/2104	सूर्य	25/05/2119
बुध	17/09/2071	केतु	22/11/2080	शुक्र	16/02/2089	सूर्य	07/07/2105	चंद्र	23/09/2120
केतु	23/01/2072	शुक्र	24/07/2082	सूर्य	23/06/2089	चंद्र	05/01/2107	मंगल	30/08/2121
शुक्र	22/01/2073	सूर्य	23/01/2083	चंद्र	22/01/2090	मंगल	24/01/2108	राहु	08/11/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 2 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।